वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 01 | शुक्रवार 26 अप्रैल 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

शाबाश इंडिया का स्थापना दिवस आज, 11 वर्ष हुए पूर्ण

आज ही के दिन 2013 में हुई थी पाक्षिक समाचार पत्र के रूप में शुरूआत

11 नवंबर 2013 में शुरू हुआ साप्ताहिक पत्र
26 अप्रेल 2020 से शुरू हुआ दैनिक ई पेपर

जयपुर। आपका अपना शाबाश इंडिया आज 11वर्ष पूर्ण कर 12 वे वर्ष में प्रवेश कर रहा है। शाबाश इंडिया सामाजिक, सांस्कृतिक व सकारात्मक खबर के प्रकाशन में समाज में अपनी अलग पहचान बनाने में कामयाब रहा है। हमारा स्पष्ट उद्देश्य हैं कि हम सभी सकारात्मक व सांस्कृतिक खबर चाहे वो समाज के किसी भी वर्ग , धर्म, जाति की हो प्रकाशित करेंगे तथा किसी भी प्रकार की नेगेटिव खबर को प्रकाशित करने से परेहज रखेंगे। आज शाबाश इंडिया ने समाज में अपना जो मुकाम हासिल किया है वो प्रबुद्ध पाठक वर्ग, विज्ञापन दाताओं, संवाददाताओ व लेखको की समर्पित टीम के बदौलत ही हुआ है। शाबाश इंडिया परिवार हृदय की गहराई से सभी सहयोगकर्ताओं का आभारी हैं। आप सभी को शाबाश इंडिया परिवार को दिए गए सहयोग के लिए कोटिश धन्यवाद व आभार।

राकेश-समता गोदिका
संपादक
एवम समस्त शाबाश इंडिया परिवार

जेईई मेन्स में जयपुर के छात्र का कमाल

यशनील ने 45वीं रैंक हासिल कर किया सिटी टॉप, सेकेंड और थर्ड पोजिशन पर रहे सक्षम और पलक्ष

जयपुर. कासं

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने जेईई-मेन्स 2024 के परिणाम जारी कर दिए हैं। इसमें कोटा की एक कोचिंग के स्टूडेंट नीलकृष्ण ने देशभर में टॉप किया है। वहीं जयपुर के यशनील ने देशभर में 45वीं रैंक हासिल की और जयपुर सिटी में टॉप किया। इसके साथ ही ऑलओवर इंडिया 117वीं रैंक हासिल कर सक्षम खंडेलवाल ने जयपुर सिटी में दूसरी और 122वीं रैंक हासिल कर पलक्ष गोयल ने जयपुर में तीसरी रैंक हासिल की है। देशभर में 45वीं रैंक हासिल करने वाले यशनील ने बताया कि परीक्षा से पहले काफी सवालों में मुझे परेशानी आने लगी थी। इसके बाद मैंने टीचर्स की राय पर लगातार मुश्किल सवालों को हल करना शुरू किया, जिससे मेरे स्कोर में भी सुधार आया और उसी का नतीजा है कि आज मैं यहां तक पहुंच पाया हूं। यशनील ने कहा कि इस दौरान मेरे परिवार ने भी मेरा पूरा साथ दिया। जब कभी परेशानी में होता तब परिवार के लोगों ने ही मदद की। ऐसे में अब आईआईटी बॉम्बे में एडमिशन लेकर फ्यूचर गोल अचीव कर पेरेंट्स का सपना पूरा करना चाहता हूं। करीब 2.5 लाख विद्यार्थियों ने एडवांस्ड परीक्षा के लिए क्वालीफाई किया है, इसमें सामान्य श्रेणी से 101324, ईडब्ल्यूएस से 25029, ओबीसी से 67570, एससी से 37581 एवं एसटी के 18780 विद्यार्थियों ने क्वालीफाई किया।

पक्षियों के लिए परिंडे व चुग्गा पात्र स्वेच्छा से लगवाकर पुण्य के भागीदार बनें

जयपुर. शाबाश इंडिया

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के शासन सचिव डॉ समित शर्मा ने कहा कि तेज गर्मी और लू को देखते हुए पक्षियों के पानी पीने के लिए परिंडे लगाए ताकि पानी की तलाश में पक्षियों को भटकना नहीं पड़े। इनकी चहचहाट सुनने के लिए अपने आसपास के वातावरण में दाना पानी रखना होगा ताकि भोजन एवं पानी की तलाश में ये हमारे वातावरण को सुना करके ना जाए। शासन सचिव ने जल भवन में पक्षियों के लिए लगाए 11 परिंडे के दौरान यह बात कही। साथ ही उन्होंने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के सभी कार्यालयों, हेड वर्क्स, पंप हाउस आदि में परिंडे एवं चुगा पात्र लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि विभाग के अधीनस्थ सभी कार्यालय में परिंडे जरूर लगाना चाहिए। पक्षियों की फिक्र करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। गर्मियों में पक्षियों को पीने का पानी व चुगे की कमी होने के कारण इनकी अकाल मृत्यु हो जाती है। इसी प्रकार पशुधन को भी पानी की व्यवस्था के अभाव में भटकना पड़ता है। विभागीय स्त्रोतों/ हैडवर्क्स के पास ओवरफ्लो/ लीकेज आदि से पानी बेकार होता है, इसे भी खेळी से जोड़कर इसका समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सकता है। अतः पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के जीवन को बचाने के उद्देश्य से विभाग के समस्त कार्यालयों, पम्प हाउस, हैड वर्क्स आदि पर कार्मिकों, भामाशाह, गैर-सरकारी संगठन, आमजन आदि के सहयोग व सहभागिता से सुगम स्थानों पर वृक्षों पर पक्षियों के लिए परिंडे व चुग्गा पात्र स्वेच्छा से लगवाया जाकर पुण्य के भागीदार बनें। डॉ शर्मा ने कहा कि पक्षियों के परिंडों में प्रतिदिन पानी एवं चुग्गा पात्र में चुग्गे की समुचित व्यवस्था स्वेच्छा से कार्मिकों द्वारा आपसी सहयोग से की जा सकती है, एवं परिंडों में प्रतिदिन पानी भरने की जिम्मेदारी स्थानीय सेवाभावी कार्मिकों को दी जा सकती है।

स्वस्तिश्री अभिनव चारुकीर्ति भट्टारक स्वामीजी के नेतृत्व में हुई पूजा

श्री नेमिनाथ तीर्थंकर का वार्षिक महारथोत्सव आयोजित

रेखा संजय जैन. शाबाश इंडिया

श्रवणबेलगोला। 22वें तीर्थंकर भगवान श्री नेमिनाथ तीर्थंकर का वार्षिक महारथोत्सव जैन मठ में बड़े धूमधाम से मनाया गया। श्रीमठ के अधिष्ठाता स्वस्तिश्री अभिनव चारुकीर्ति भट्टारक स्वामीजी के नेतृत्व में सुबह से भंडारी बसदी में पूजा-अनुष्ठान किया गया। इसके बाद भगवान नेमिनाथ तीर्थंकर की मूर्ति को महारथ में स्थापित किया गया और वार्षिक रथोत्सव शुरू किया गया। जैन मठ के सामने सजाए गए महारथ में उत्सव की मूर्तियां स्थापित की गईं, जिसके बाद भगवान ने रथ की पूजा की, एडुगाई को मारा, फल और फूल चढ़ाए और उसे रवाना किया। भक्तों ने रथ में स्थापित तीर्थंकर की मूर्ति की फूलों, फलों और दवना से पूजा की। रथ के तने में केले का दवना डाला और विजय के जयकारे लगाते हुए रथ यात्रा में आगे बढ़े। विभिन्न वाद्य यंत्रों और कला मंडलियों ने समां बांध दिया।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से

लोग क्या कहेंगे- ?
पहले दिन हँसेंगे,
दूसरे दिन मजाक बनायेंगे,
तीसरे दिन भूल जायेंगे..!

इसलिए लोगों की परवाह मत करो। करो वो जो उचित हो, जो तुम चाहते हो और जिसमें आपका मन शांत रहे और चेहरा मुस्कान से भरा रहे। क्योंकि ज़िन्दगी तुम्हारी है लोगों की नहीं।
किसी कवि ने लिखा है--
दस वर्ष तक बालक चंचल होता है।
बीस वर्ष की उम्र में बावला पन आ जाता है।
तीस साल में तीखा पन आ जाता है।
चालीस वर्ष में फीका हो जाता है।
पचास वर्ष में पका यानि परिपक्व हो जाता है।
साठ वर्ष में थका यानि अब भाग दौड़ नहीं होगी।
सत्तर में बिस्तर यानि बीमारियों का शिकारी बन जाता है।
अस्सी में लस्सी यानि सब-कुछ सट्ट पट्ट वाला भोजन।
नब्बे में डब्बा, कोई सुध बुध नहीं रहना।
सौ में सो गये, पाप बीज बो गये।
यह दुनिया का परम सत्य है। इससे हम अपनी आँखे नहीं चुरा सकते। लेकिन तुम्हें कुछ कहना यानि (एक) भैंस के आगे बीन बजाना। दूसरा - भैंस के आगे बीन बजाय, भैंस खड़ी पगराए। आज का सत्संग प्रेमी या श्रोता ना होकर रेनकोट हो गया है। कितनी ही बरसात हो, पर रेनकोट पर कोई असर नहीं होता है। उसके अन्दर पानी की बून्द भी नहीं जाती। वैसे ही हम साधु संत रोज प्रवचन, सत्संग करने वाले, उपदेशों की झमाझम बरसात करने वाले, फिर भी तुम्हारे जीवन में कोई परिवर्तन नहीं आता। क्यों- ? रेनकोट पहन कर सुनने वालों के दिल नहीं भीग पाते। भैंस के बारे में चार बातें, दो बातें ऊपर कह दी,, तीसरी बात काला अक्षर भैंस बराबर,, चोथा - जिसकी लाठी उसकी भैंस...!!!

-नरेंद्र अजमेरा,
पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

शाबाश इंडिया समाचार पत्र के 12वें स्थापना दिवस पर
हार्दिक शुभकामनाएं

सुभाष चन्द जैन
अध्यक्ष

दर्शन जैन बाकलीवाल
वरिष्ठ उपाध्यक्ष

मुकेश सोगानी
उपाध्यक्ष

मनीष बैद
महामंत्री

विनोद जैन
कोटखावदा : मंत्री

भानू छाबड़ा
संयुक्त मंत्री

राकेश छाबड़ा
कोषाध्यक्ष

राजस्थान जैन सभा, जयपुर

उमराव मल संघी
अध्यक्ष

सुनील बख्शी
मानद मंत्री

महेश काला
कोषाध्यक्ष

श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद जयपुर

सुधांशु कासलीवाल
अध्यक्ष

सुभाष चन्द जैन
मानद मंत्री

विवेक काला
कोषाध्यक्ष

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी

महेश काला
अध्यक्ष

भानू छाबड़ा
महामंत्री

राकेश छाबड़ा
कोषाध्यक्ष

श्री वीर सेवक मण्डल जयपुर

उमराव मल संघी
अध्यक्ष

राजेन्द्र जैन
महामंत्री

बापू नगर संभाग दिगम्बर जैन समाज, जयपुर

प्रदीप जैन
अध्यक्ष

विनोद जैन कोटखावदा
महामंत्री

ज्ञानचन्द झांझरी
संस्थापक अध्यक्ष

रवि प्रकाश जैन
कोषाध्यक्ष

राजस्थान जैन युवा महासभा

सुधीर जैन
अध्यक्ष

हेमन्त सोगानी
मानद मंत्री

सुरेन्द्र जैन पांड्या
उपाध्यक्ष

राजकुमार कोठारी
कोषाध्यक्ष

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा

राजेश बड़जात्या
अध्यक्ष

निर्मल संघी
महासचिव

अनिल जैन (IPS)
संस्थापक अध्यक्ष

यशकमल अजमेरा
निवर्तमान अध्यक्ष

पारस जैन
कोषाध्यक्ष

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर

वेद ज्ञान

प्रेम का सही मतलब समझें

प्रेम अंतर्मन की अभिव्यक्ति और अनुभूति है। प्रेम और वासना में वही फर्क है, जो कंचन और कांच में होता है। यदि हम प्रेम और वासना को एक साथ जोड़कर देखें, तो हमारा नुकसान हो सकता है, क्योंकि तब प्रेम का अर्थ बदल जाएगा। यदि हम प्रेम की परिभाषा वासना की दृष्टि से करें, तो हमारा सारा आध्यात्मिक प्रेम नष्ट हो जाएगा। प्रेम का संबंध अध्यात्म, अंतर्मन और हृदय से है, जबकि वासना का संबंध हमारे बाहरी शरीर से होता है। किसी के बाहरी स्वरूप को देखकर उसके बारे में कुछ कहना या उसके व्यक्तित्व का आकलन करना ठीक नहीं है, क्योंकि हमें जो उसका बाहरी स्वरूप दिख रहा है, वह वास्तविक नहीं है। महान् मनोवैज्ञानिक सिग्मंड फ्रायड ने कहा भी है कि किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को देखने के बाद ही उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। 'व्यक्तित्व' यूनानी शब्द 'परसोना' से बना है। हम यदि किसी व्यक्ति के चरित्र के बारे में जानना चाहें, तो मात्र उसके चेहरे को देखकर क्या जान पाएंगे? बनावटी चेहरे को देखकर उस व्यक्ति के चरित्र का मूल्यांकन करने का प्रयास करेंगे तो हमें क्या हासिल होगा? इसलिए बाहर के आवरण को देखकर सुंदरता का सही मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। बाहर से हमें जो दिख रहा है, वह बनावटी है, एक ओढ़ा हुआ आवरण है। जैसा वस्त्र आप पहन लेंगे, वैसा ही आपका व्यक्तित्व माना जाएगा। कबीर ने भी कहा है कि मन न रंगाए, रंगाए जोगी कपड़ा। अर्थात तुम अपने मन को प्रभु के रंग में रंग लो, अपने कपड़े को रंगने से क्या फायदा? कपड़े को मत रंगो, रंगना ही है तो सिर्फ अपने मन को रंगो। मन की पहचान किसी व्यक्ति की असली पहचान होती है। मलिक मोहम्मद जायसी हिंदी साहित्य के महान कवि थे। वह देखने में आकर्षक नहीं थे। एक बार वह किसी रास्ते से होकर कहीं जा रहे थे कि रास्ते में राजा की सवारी आ गई। राजा की नजर जैसे ही जायसी पर पड़ी उनके मुख से हंसी निकल गई। उस हंसी को सुनते हुए जायसी ने राजा से कहा था, ' मोही का हंसो कि हंसो भगवान को ' यानी तुम मुझ पर क्या हंसते हो? यदि मुझे देखकर हंसना हो तो भी तुम मुझ पर मत हंसो। मुझ पर हंसने से बेहतर है कि तुम मुझे बनाने वाले (भगवान) पर हंसो।

संपादकीय

आर्थिक उदारीकरण की नीतियों के बाद आर्थिक असमानता बढ़ी है...

भारत में असमानता शुरू से ही अकादमिक विषय रही है, पर इस विषय का सियासत में अचानक गूंज उठना बहुत हद तक सुखद भी है और विचारणीय भी। कोई दोराय नहीं कि किसी सरकार की नीतियों की वजह से ही किसी देश में आर्थिक असमानता बढ़ती है और भारत में आजादी के पहले से ही घोर असमानता रही है। मगर इधर आर्थिक उदारीकरण की नीतियों के बाद आर्थिक असमानता बढ़ी है। अतः ऐसे में आय के पुनर्वितरण की चर्चा शायद गलत नहीं कही जाएगी। इस पर हरेक पार्टी का अपना-अपना नजरिया हो सकता है। फिलहाल, सत्ता पक्ष और विपक्ष का इस मोर्चे पर परस्पर भिन्न विचार अचरज में नहीं डालता है। खासकर, कांग्रेस के घोषणापत्र के बाद यह विषय उसके विरोधियों के लिए एक हथियार बन गया है। वैसे, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इस पर सफाई दी है कि देश के जिन चुनिंदा 22 अमीरों या कंपनियों को सरकार की ओर से 16 लाख करोड़ रुपये की राहत मिली, उसमें से थोड़ी सी राशि उनसे वापस लेकर देश के 90 प्रतिशत लोगों या गरीबों में वितरित कर दी जाएगी। मतलब, कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि आय-पुनर्वितरण का विषय चंद उद्यमियों तक सीमित है, जिनसे धन वापस लेकर गरीबों में बांटा जाना है। काश! यह विषय वाकई गंभीर विमर्श का विषय बन पाता। दरअसल, हमारे देश में तमाम राजनीतिक पार्टियां बड़े उद्यमियों या बड़ी कंपनियों से चंदा लेती हैं, तो स्वाभाविक है, उनसे बहुत कड़ाई की उम्मीद नहीं की जा सकती। कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का उदाहरण तो हमारे सामने है। सरकार सीएसआर के तहत कंपनियों के मुनाफे का एक छोटा हिस्सा वसूलना चाहती थी, पर कंपनियां इसके लिए तैयार नहीं हुईं। तब कंपनियों को ही कहा गया कि वे मुनाफे का करीब दो प्रतिशत हिस्सा समाज-कल्याण पर स्वयं खर्च करें और सरकार को केवल सूचना दे दें। हमारे देश में भले ही लोक-कल्याण की राजनीति होती है, पर देश मूलतः पूंजीवादी स्वभाव रखता है। ऐसे में, साल 2000 के बाद भारत में असमानता तेजी से बढ़ रही है। एक प्रतिशत सबसे अमीर लोगों के पास देश की 22 प्रतिशत से ज्यादा आय और 40 प्रतिशत से ज्यादा संपत्ति है। एक विकासशील देश में ऐसी असमानता निश्चित रूप से राजनेताओं का प्रिय विषय बने, तो इससे देश को लाभ होगा। आगामी सरकारों को देर-सबेर यह मुद्दा वाकई गंभीरता से उठाना पड़ेगा, इस पर कोरी राजनीति देश के किसी काम नहीं आएगी। ठीक इसी तरह विरासत कर का मुद्दा भी अचानक उभर आया है। विरासत कर अमेरिकी अर्थव्यवस्था का एक पहलू है, जहां किसी अमीर व्यक्ति के निधन के बाद उसकी संपत्ति का पूरा हिस्सा उत्तराधिकारी तक नहीं जाता है, करीब 55 प्रतिशत हिस्सा सरकार ले लेती है। सच्चे पूंजीवादी देशों में शेयर की भावना प्रबल होती है, जबकि कथित क्रोनी कैपिटलिज्म में कमाई को लोग शुद्ध रूप से निजी पुरुषार्थ मानते हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

विशाल हिमनदों को बचाइए

गंगोत्री, मोटर मार्ग से पहुंचने का आखिरी पड़ाव है। इससे आगे गोमुख की तरफ जाने की तमन्ना रखने वालों को पैदल सफर करना होता है। गंगोत्री नेशनल पार्क के बीचोबीच भागीरथी का बायां किनारा चौदह किलोमीटर का रास्ता नापकर आपको भोजबासा पहुंचा देता है। सफर के बीच के मनोहारी दृश्य पदयात्रा की थकान को कम कर देते हैं, लेकिन अत्यधिक ऊंचाई के कारण भोजबासा पहुंचते-पहुंचते दम फूलने लगता है। भारी थकावट के बावजूद ऑक्सीजन की कमी से वहां नींद नहीं आती। इस कठिन यात्रा में पांच किलोमीटर और चलकर आप गंगोत्री ग्लेशियर देख पाते हैं। पर्यावरण प्रेमियों की नींद इस कारण उड़ी हुई है कि गंगोत्री ग्लेशियर निरंतर पिघलते हुए पीछे खिसकता चला जा रहा है। इस ग्लेशियर को बचा न सके, तो गंगा का क्या होगा? वर्षों से इस खतरे की बात होती रही है। समूचे हिमालय के ग्लेशियरों पर संकट साफ नजर आ चुका है, परंतु उनके सिकुड़ने की चिंता के बीच नया संकट हमारे सामने है। प्रदूषण और तापमान में धीरे-धीरे हो रही बढ़ोतरी के कारण बर्फ पिघलने से हिमनदों के बीच हजारों नई झीलें आकार ले चुकी हैं या फिर उनका आकार बड़ा हो गया है। देहरादून के वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान का अध्ययन यह निष्कर्ष निकाल चुका है और इसरो की ताजा चर्चित रिपोर्ट ने भी इसकी पुष्टि की है। ऐसी झीलों का मुहाना अचानक खुलने से खतरनाक बाढ़ आ सकती है। हिमालयन रिवर बेसिन में कुल करीब 28,043 ग्लेशियर झीलें हैं, इनमें से 23,167 झीलें पांच हेक्टेयर से छोटी हैं। लंबे समय से हिमालय पर रिसर्च के दौरान पाया गया कि प्रतिवर्ष दो से 51 मीटर की रफ्तार से ग्लेशियर पिघल रहे हैं। ऐसे में, इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि अगले 100 साल में कई छोटे ग्लेशियरों का अस्तित्व मिट जाएगा और बहुत से पिघलकर आधे रह जाएंगे। पिघलते हिमनदों के कारण ग्लेशियर झीलों का दायरा बढ़ रहा है। ग्लेशियर के पतले होने की औसत दर साल 2000 से 2020 के बीच करीब तीन गुना बढ़ी है। ग्लेशियर ही पूरे साल नदियों को पानी देने में मददगार हैं। इनके जरिये बाकी जलस्रोत भी रीचार्ज होते हैं। ग्लेशियरों की क्षति या उनके आकार-प्रकार में बदलाव से सदानीरा नदियों को पानी के संकट का सामना करना पड़ जाएगा। नदियों का अस्तित्व ग्लेशियरों से जुड़ा है। ग्लेशियरों के पिघलने के पीछे दो कारण हैं। पहला, ग्लोबल और दूसरा स्थानीय। पहला कारण ग्लोबल है। सारी दुनिया में तापमान बढ़ रहा है, उसका असर हिमालय पर स्वाभाविक रूप से दिख रहा है। संसार के एक देश के प्रदूषण का प्रभाव हजारों किलोमीटर दूर दूसरे देश को भी झेलना पड़ता है। वाडिया इंस्टीट्यूट के पूर्व वैज्ञानिक डॉक्टर पीएस नेगी का एक रिसर्च बताता है कि यूरोप से तेज हवाओं के साथ उड़कर आया उद्योगों का कार्बन हिमालयी बर्फ की सतह पर चिपका पाया गया। इस तरह के प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के कारणों को रोकना स्थानीय नागरिकों या सरकार के लिए संभव नहीं है। दूसरा कारण स्थानीय है। हिमालयी राज्यों में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है। नैनीताल एरीज की रिसर्च का परिणाम बड़ी चेतावनी के रूप में सामने आया है। यह शोध बताता है कि पहाड़ों पर कुल प्रदूषण में से 80 फीसदी हिस्सा मोटर वाहनों से निकलने वाले धुएं का है। दस साल में वाहनों की तादाद दो सौ गुना बढ़ गई है।

शाबाश इंडिया समाचार पत्र के 12वें स्थापना दिवस पर
हार्दिक शुभकामनाएं

संजय-सपना
आहना
अनीशा, आरिन

समस्त छाबड़ा परिवार
आवां वाले जयपुर

सुनील जैन : अध्यक्ष,
राकेश गोदिका : संरक्षक
विमल जैन : वरिष्ठ उपाध्यक्ष,
राजेन्द्र बाकलीवाल : मंत्री
संजय जैन 'आवा' : उपाध्यक्ष, साकेत जैन : उपाध्यक्ष
अशोक सेठी : संयुक्त मंत्री, अनिल जैन पाड्या : संयुक्त मंत्री
मुकेश जैन : कोषाध्यक्ष

आदिनाथ मित्र मण्डल

राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन
पूर्व अध्यक्ष: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राज. रीजन
पूर्व अध्यक्ष: दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल
अध्यक्ष: जन समस्या समिति, महावीर नगर, जयपुर
उपाध्यक्ष: दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बाड़ा, पदमपुरा
उपाध्यक्ष: महावीर शिक्षा समिति
डायरेक्टर (गवर्निंग बोर्ड): सेन्ट्रल डेवलपमेन्ट ऑफ स्टोन (सरकारी उपक्रम)

सुरेन्द्र कुमार-मृदुला जैन पांड्या

चेयरमेन 14वें राष्ट्रीय अधिवेशन एवं
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जैन इन्जीनियर्स सोसायटी इंटरनेशनल
फाउंडेशन एवं चेयरमैन नोर्थ जोन, इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्जिनियर्स
इंडिया राजस्थान सेंटर के कार्यकारणी सदस्य, परम संरक्षक
अतिशय क्षेत्र सांखना व अतिशय क्षेत्र निमोला, ट्रस्टी मथुरा चौरासी
श्रमण ज्ञान भारती एवं इनवाटी मथुरा चौरासी

9414052512, बी-53, जनता कॉलोनी, जयपुर

इन्जी पी सी छाबड़ा-तिलक मती जैन

मोहनलाल गंगवाल
अध्यक्ष

नवीन सेन जैन
संस्थापक अध्यक्ष

सुरेश जैन बांदीकुई
कार्याध्यक्ष

गिरीश कुमार जैन
सचिव

कैलाश सेठी
कोषाध्यक्ष

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार

संरक्षक : महिला मंडल दुर्गापुरा
अध्यक्ष : त्रिशला संभाग दुर्गापुरा
समन्वयक : टोंक रोड, राजस्थान जैन युवा महासभा
प्रभारी दुर्गापुरा : भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा

प्लॉट नंबर-91, श्री जी नगर दुर्गापुरा, जयपुर

राजकुमार-चंदा सेठी

राजेन्द्र बाकलीवाल : 9785395898
एडवोकेट प्रतीक जैन : 9713841906

बाकलीवाल पेंट स्टोर

ज्ञानचंद-कमला देवी झांझरी
पंकज-प्रीति झांझरी

बी-101, युनिवर्सिटी मार्ग, बापू नगर, जयपुर
मोबाइल : 9829013094

शाबाश इंडिया समाचार पत्र के 12वें स्थापना दिवस पर
हार्दिक शुभकामनाएं

जोन चेयरपर्सन लायंस क्लब
संयुक्त सचिव : जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्दन रीजन
पूर्व अध्यक्ष : लायंस क्लब राईजिंग स्टार
पूर्व अध्यक्ष : रॉटरी क्लब जयपुर नॉर्थ

डॉ. राजीव-अंजू जैन

प्रचार प्रभारी : त्रिवेणी नगर दिगम्बर जैन समिति
नीना कासलीवाल,
प्रियांक-प्रियांशी कासलीवाल

नरेश कासलीवाल

18-ए विश्वेशरिया नगर त्रिवेणी रोड
@ 9462191401

राजीव-सीमा जैन (एमडी)
मैसर्स गुलशन राय जैन-II
('एए' क्लास सरकारी कॉन्ट्रेक्टर)

94140-54571
99280-90772

पदम चन्द जैन (बिलाला)-पुष्पा देवी बिलाल
सीए पारस बिलाला-दीपिका जैन
इजि. पहुप बिलाला-रूचिका जैन
आदिश्री, आदिश, आदित, आदिवा

जैन पारस बिलाल एण्ड कम्पनी

कार्यालय: 50-क-2, ज्योती नगर, जयपुर-05
शाखाएं: ★ मुम्बई ★ नोएडा ★ कोटा ★ उदयपुर

नीरज जैन
महामंत्री: श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, मुरलीपुरा

सचिव : दि. जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन राज. रीजन, जयपुर
अध्यक्ष : दि. जैन सोशल ग्रुप वीर, जयपुर

आर. बडजात्या केटर्स

Mouth Watering Taste and High Class Catering For Your Memorable Event.

Birthday, Engagement, Anniversary, Wedding, Mehendi, Haldi, Get-Together.

एस-9, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर
मोबाइल : 9785074581, 9887866995, 8952843828

डॉ. एम. एल. जैन 'मणि'
डॉ. शान्ति जैन 'मणि'

डॉ. मनीष जैन 'मणि'
डॉ. अलका जैन

समस्त एम्बीशन किड्स एकेडमी परिवार

KUMKUM PHOTOS

9829054966, 9829741149

Best Professional Wedding Photographer in Jaipur

शाबाश इंडिया समाचार पत्र के 12वें स्थापना दिवस पर
हार्दिक शुभकामनाएं

Sunil Jain 9828012800 | Renu Jain 8696212800 | Santosh Gupta 9414050191

May i Help You

Term & General Insurance Consultants

Office: 303, Siddhi Vinayak, Ashok Marg, near ahinsa circle, C- Scheme, jaipur.

अखिल बंसल अध्यक्ष | पवन बज कार्याध्यक्ष | विनोद जैन कोटखावदा उपाध्यक्ष | मनीष बैद उपाध्यक्ष

शैलेन्द्र जैन
महामंत्री

अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद राजस्थान

दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल

राज कुमार कोठयारी : अध्यक्ष
योगेश टोडरका : महामंत्री

श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ कमेटी पार्श्वनाथ भवन जयपुर

देव प्रकाश खण्डाका
अध्यक्ष
ओम प्रकाश काला मामाजी
महामंत्री

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन धर्म संरक्षिणी महासभा राजस्थान जयपुर

कमल बाबू जैन अध्यक्ष
राजेन्द्र बिलाला महामंत्री

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या
संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका
सचिव: राजेश - रानी पाटनी
कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन
सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

जैन सोशल ग्रुप महानगर

संजय-सपना जैन छाबड़ा आवा: अध्यक्ष
सुनील-अनिता गंगवाल: सचिव
प्रदीप-निशा जैन: संस्थापक अध्यक्ष
स्वाति-नरेंद्र जैन: ग्रीटिंग कमेटी चेयरमैन

सखी गुलाबी नगरी

सारिका जैन: अध्यक्ष
स्वाति जैन: सचिव

अमेरिका की चमकदमक 20 लाख का पैकेज नहीं, महावीर का मार्ग रास आया ओर बन गये थे मुनि समत्व सागर जी

विदिशा के इंजी. अंकुर जैन दस वर्ष पहले भीलवाड़ा में बने थे मुनिश्री समत्व सागर महाराज

मोक्ष मार्ग भी अजब है। अगर मन में गुरु के प्रति विश्वास और मोक्ष मार्ग पर चलने का दृढ़ निश्चय आ जाए तो अमेरिका जैसे देश की चमक दमक, लाखों के पैकेज वाली नौकरी, गीत-संगीत सुनने का शौक, लहरों पर तैरने और स्केटिंग के साथ ही पहाड़ों पर चढ़ने जैसे शौक भी तुच्छ लगते हैं। सात वर्ष पहले विदिशा के एक होनहार इंजीनियर के साथ भी यही हुआ था। अपने माता-पिता के इकलौते पुत्र ने सारी दुनियां की चमक दमक, धन दौलत और शान शौकत को ठुकराकर दिगम्बर वेष धारण किया और चल पड़ा था महावीर के बताए मोक्ष मार्ग पर। जी हां, विदिशा के इंजी. अंकुर जैन सात वर्ष पहले बन गए थे मुनिश्री समत्व सागर महाराज, जो सम्मेद शिखर जी में भी विराजमान रहे। कैसे कोई माता-पिता अपनी इकलौती संतान को वीतराग की ओर बढ़ते देख पाते हैं, लेकिन धन्य हैं वह युवा इंजीनियर और उनके माता पिता जिन्होंने मोक्ष मार्ग और दुनियां में महावीर का संदेश पहुंचाने का मार्ग चुना। मुनिश्री समत्वसागर महाराज के गृहस्थ जीवन के पिता डॉ एके जैन अपने गृहस्थ जीवन के पुत्र यानी अब मुनि समत्वसागर के चरणों की वंदना में ही लीन हैं। वे बताते हैं कि अंकुर का जन्म 1984 में हुआ था, वे घर में इकलौते पुत्र हैं, एक पुत्री भी है। अंकुर की प्रारंभिक शिक्षा ग्यारसपुर में हुई और फिर उन्होंने एसएटीआइ विदिशा से इलेक्ट्रॉनिक्स में इंजीनियरिंग की डिग्री ली। उन्होंने बिट्स प्लानी से एमटेक किया और फिर हैदराबाद की एक कंपनी में सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर काम करने लगे। धीरे-धीरे उनका पैकेज 20 लाख रुपए तक पहुंच गया। लेकिन मन में कहीं विरक्ति का बीज अंकुरित हो रहा था। इस दौरान विदिशा में 2013 में पंचकल्याणक हुए और आचार्यश्री विशुद्धसागर महाराज का आगमन हुआ। यहीं उन्होंने ब्रम्हचर्य व्रत ग्रहण कर लिया और कहा कि मेरा मन नौकरी में नहीं लग रहा है। इस बीच आचार्यश्री से उन्होंने यह भी कहा कि-गुरुदेव मुझे अमेरिका जाने का ऑफर है, क्या करना चाहिए? आचार्यश्री विशुद्धसागर ने तत्काल कहा- जाओ, दुनियां घूमकर देखना चाहिए कि कहां क्या चल रहा है। इस पर अंकुर चल दिए अमेरिका। वहां वे काफी समय तक जॉब करते रहे, लेकिन प्रभु चरणों की लगन ऐसी थी कि रोजाना डेढ़ सौ किमी दूर मंदिर जाना नहीं भूलते थे। अमेरिका की चमक दमक, 20 लाख का पैकेज और खूब नाम भी उन्हें रास नहीं आ रहा था, इसलिए वे वापस आ गए और आचार्यश्री के संघ के साथ हो लिए। इस बीच मां अनीता जैन और पिता एके जैन ने भी उनके मोक्ष मार्ग

का अनुमोदन किया। हालांकि पिता एके जैन बहुत भावुक हो उठे थे और जब 2014 में भीलवाड़ा में अंकुर जैन को दिगम्बर साधु की दीक्षा दी गई तो उन्होंने पिता की पाती पुत्र के नाम का वाचन जब मंच से किया तो वहां मौजूद हजारों लोगों की आंखों से आंसू बह निकले थे। अंकुर जैन अब मुनिश्री समत्वसागर महाराज हो चुके थे। नौकरी, माया मोह, चमक दमक, लाखों का पैकेज, घर परिवार सब छोड़ मोक्ष मार्ग का यह यात्री प्रिच्छी-कमंडल हाथ में ले दिगम्बर वेष में महावीर के मार्ग पर चल चुका था। यह यात्रा अब भी निरंतर जारी है। इनके द्वारा रचित गीत एवं देशनाएँ यूट्यूब पर खासे चर्चित है । इसी कारण इनको प्रवचन पट्टू तथा वैज्ञानिक सन्त के नाम से भी जाना जाता है। कीर्ति नगर समाज के मंत्री जगदीश जैन के अनुसार मुनि श्री का ससंघ वर्ष 2024 का चातुर्मास कीर्ति नगर जयपुर में होना प्रस्तावित है ।

आलेख-पदम जैन बिलाला

संजय जैन बड़जात्या बने अपनाघर के क्षेत्रीय अध्यक्ष

कामा. शाबाश इंडिया

मानव सेवा में समर्पित, असहाय,निराश्रित एवं मंदबुद्धि लोगों के पुनर्वास में संलग्न सबसे बड़ी सामाजिक संस्था मां माधुरी ब्रज वारिश सेवा सदन अपनाघर आश्रम भझेरा भरतपुर ने अपनी नवीन कार्यकारिणी में कामां निवासी संजय जैन बड़जात्या को क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त कर कामां,डीग,नगर,जनुथर सेवा समितियों का प्रभार सुपुर्द किया है। अपनाघर सेवा समिति कामां के अध्यक्ष खेमराज मातुकी वालो ने बताया कि संजय जैन बड़जात्या के मनोनयन से सभी पदाधिकारियों में हर्ष व्याप्त है लम्बे समय से बड़जात्या संस्थान से जुड़कर मानव सेवा में सक्रिय योगदान प्रदान कर रहे हैं। उनकी नियुक्ति पर अपनाघर के भावी नवीन अध्यक्ष प्रमोद पुजारी,सूरज गुर्जर कलावटा, हरि कुम्हेरिया, हरप्रसाद नाटाणी, प्रेमचंद शर्मा, सतीश छाबड़ां, तिलक अरोड़ा, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, उमाशंकर शर्मा, संजय सर्राफ, सुरेश सोनी, मनोज गंगौरा वाले, सहित भारतीय किसान संघ अध्यक्ष हुकम सिंह यादव, चामड़ मन्दिर समिति अध्यक्ष राधाशरन शर्मा, मोती पुजारी, कवि कैलाश सोनी,रमन आर्य, ब्रजवानी साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था के कमल सिंह कमल आदि ने बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि जैन का उचित पद पर मनोनयन हुआ है। बड़जात्या अनेको सामाजिक धार्मिक संस्थाओं से जुड़कर सेवा कार्यो में सक्रिय भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। शपथ ग्रहण 28 को अपना घर सेवा समिति इकाई कामां की महिला एवं पुरुष इकाई की नवीन कार्यकारिणी द्वारा 28 अप्रैल को कामा के बस स्टैंड स्थित शिव शक्ति तमोलिया भवन में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जाएगा जिसमें सभी से भाग लेने की अपील की है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

ए आर एल इंफ्राटेक बगरू में रक्तदान शिविर आयोजित

बगरू, जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के तत्वावधान में ए आर एल इंफ्राटेक बगरू में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। मुख्य समन्वयक राकेश गोदिका के अनुसार इस अवसर पर प्रेसिडेंट जुगल भनोट, विमल जैन, कारखाना प्रबंधक मधु सुदन थानवी और ए आर एल का स्टाफ उपस्थित रहा।

जैन की पुण्य स्मृति में वृक्षारोपण परिंडे लगाए

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल संस्था वीरा धरा के सानिध्य में स्व श्री प्रकाश चन्द जी जैन की पुण्य स्मृति में काला परिवार द्वारा जैन कोलोनी गार्डन में जीवदया पर्यावरण रक्षा हेतु चार फलदार पेड़ लगाए व भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए 10 परिंडे पक्षियों प्रजनन हेतु पक्षी आवास 5 लगाये। संस्था व सहयोग कर्ता परिवार के श्रीमती मंजू वीरा अनिता विमल, वीरा नीलम अमित ,काला वीरा अध्यक्ष सरोज पाटनी, लालचंद वीर अजित, वीर सुभाष,वीरा मंजू वीरा रेखा, वीरा कल्पना पहाड़ियां , वीरा राखी बड़जात्या, ईना, प्रिया गंगवाल ने सहयोग किया व संरक्षण कि जिम्मेदारी ली। अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल ने सभी को जीवदया पर्यावरण रक्षा हेतु किए गए सेवा कार्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

बेजुबान पक्षियों को दाना खिलाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

सामाजिक कार्यक्रम की श्रृंखला महावीर जयंती के उपलक्ष्य मे सेवा सप्ताह के तहत जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा दिनांक 25 अप्रैल को पिकॉक गार्डन, मालवीय नगर मे बेजुबान पक्षियों को दाना खिलाया। सेवा सप्ताह संयोजक अजय बड़जात्या ने बताया कि पक्षियों के दाने कि व्यवस्था ग्रुप के कार्य कारिणी सदस्य मनीष हिमानी बिलाला ने की ' इस पुनीत कार्यक्रम मे ग्रुप अध्यक्ष सुनील सोगानी, सचिव विशुतोष चाँदवाड़, कोषाध्यक्ष सुकेश काला, विजय जैन, संजय गोधा, मनीष-हिमानी बिलाला, पदम सोगानी, सुधीर जैन, मुनिया सोगानी एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

जनता गर्ल्स पीजी कॉलेज में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहर के नोहर रोड स्थित जनता गर्ल्स पीजी कॉलेज में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। बतौर विशिष्ट अतिथि श्रीमति आरती गौड़, डीन ऑफ कॉलेज, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय सिरसा तथा प्रो सिलेंदर सिंह परीक्षा नियंत्रक चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय सिरसा कॉलेज के प्रांगण में पहुँचने पर कॉलेज प्रबंधन समिति के प्रधान हनुमान प्रसाद अग्रवाल, कॉलेज निदेशक मेजर सूबे सिंह व प्राचार्य डॉ अविनाश कम्बोज ने फूलों का गुलदस्ता देकर उनका स्वागत व अभिनन्दन किया। इस कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर कॉलेज प्रबंधन समिति के उपप्रधान राय सिंह भाम्भू, चौधरी अजय सिंह झोरड़, विनोद गिगोरानी, बनवारी तलवाडिया, सतपाल मेहता, प्रहलाद राय कंदोई, सुरेन्द्र शर्मा, नितिन सोमानी, सुभाष गोयल, अभय सिंह खोड़, जय सिंह गोरा, साहब राम गोदारा, सुशील कानसरिया, विनोद जी गर्ग, डॉ विजय गर्ग, निर्मल जिंदल, महेंद्र प्रदीप रिटायर्ड प्रिंसिपल, ऋषि शर्मा बीआरसी, रणजीत सिंह सहारण प्रिंसिपल राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल मोजू खेड़ा, जगसीर सिंह प्रिंसिपल राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल मिट्ठी सुरेरां, कृष्ण कुमार प्रिंसिपल राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल ऐलनाबाद, डॉ केएल ग्रोवर प्रिंसिपल श्री गुरु हरी सिंह कॉलेज श्री जीवननगर, डॉ सीमा शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर श्री गुरु हरी सिंह कॉलेज श्री जीवननगर, डॉ विकास मेहता एसोसिएट प्रोफेसर श्री गुरु हरी सिंह कॉलेज श्री जीवननगर, डॉ अम्बिका शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर श्री गुरु हरी सिंह कॉलेज श्री जीवननगर, साधा सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर चौधरी मनीराम झोरड़ बी राजकीय कॉलेज मिट्ठी सुरेरां, अशोक कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर चौधरी मनीराम झोरड़ राजकीय कॉलेज मिट्ठी सुरेरां, रणजीत सिंह सिधु निदेशक नचिकेतन पब्लिक स्कूल ऐलनाबाद व श्रीमति सुजाता प्रिंसिपल नचिकेतन मॉडल स्कूल ऐलनाबाद पधारे। मंच संचालन प्रवक्ता हरिंद्रपाल कौर व प्रवक्ता ज्योति सुथार ने कियो कार्यक्रम का शुभारम्भ आए हुए अतिथिगणों ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर लियो कार्यक्रम में सर्वप्रथम गणेश व सरस्वती वंदना के माध्यम से छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। उसके उपरांत हरियाणवी सान्ग, पंजाबी भांगड़ा, राजस्थानी डांस व मोनो एक्टिंग के माध्यम से छात्राओं ने अपनी रंगारंग प्रस्तुति से सभागार में धूम मचा दी। कॉलेज निदेशक मेजर सूबे सिंह ने विशिष्ट अतिथि श्रीमती आरती गौड़ व प्रो सिलेंदर सिंह का कार्यक्रम में पहुँचने पर स्वागत करते हुए उन्हें कॉलेज के इतिहास व कॉलेज की उपलब्धियों से परिचित करवाया।

स्पिक मैके की ओर से जयपुर में विदुषी विधा लाल की कत्थक प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया

स्पिक मैके की ओर से विदुषी विधा लाल का जयपुर में कत्थक का कार्यक्रम होगा। जयपुर चैप्टर की को-ऑर्डिनेटर मृणाली कांकर ने बताया कि विदुषी विधा लाल जयपुर में इस कार्यक्रम की प्रस्तुति शुक्रवार को दोपहर 12:00 बजे डीपीएस अजमेर रोड और शनिवार को सुबह 9:00 बजे एमपीएस सी-स्कीम एवं दोपहर 1:00 बजे स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में देंगी। कार्यक्रम में उनके साथ तबले पर अमन अली, गायन में शोहब हसन एवं सारंगी पर आमिर खान संगत करेंगे।

वीआईएफटी कॉलेज में प्रो. अय्यर की कोलाज मेकिंग वर्कशॉप संपन्न

स्टूडेंट्स ने सीखी/समझी कोलाज आर्ट की बारीकियां

उदयपुर. शाबाश इंडिया। कोलाज शब्द की उत्पत्ति और कला के क्षेत्र में इसकी उपयोगिता को लेकर गुरुवार को यूआईटी सर्किल स्थित वीआईएफटी कॉलेज में प्रो. श्रीनिवासन अय्यर की कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें उन्होंने फाइन आर्ट, फैशन और इंटीरियर डिजाइन स्ट्रीम के स्टूडेंट्स को इस कला से संबद्ध आधारभूत और तकनीकी तैयारी की बारीकियां साझा की। सावन दोसी ने उनका परिचय दिया और कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। बाद में प्रो. अय्यर ने रचानात्मक कोलाज के विभिन्न आयामों की चर्चा करते हुए थीम बेस्ड और एब्सट्रेक्ट कोलाज बनाने के गुर भी सिखाए। इससे पूर्व कॉलेज प्रशासन की ओर से प्रिंसिपल विप्रा सुखवाल ने उपरना ओढ़ा कर उनका स्वागत किया। समापन पूर्व प्रो. अय्यर ने सभी स्टूडेंट्स को अपनी स्ट्रीम के मुताबिक कम से कम एक शीट कोलाज बनाकर सबमिट कराने का आग्रह किया जिसमें से बेस्ट ऑफ कोलाज को नकद पुरस्कार तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए जाने की बात कही। इस अवसर पर कॉलेज के सभी पाठ्यक्रमों की फैकल्टी और विभागाध्यक्ष सहित अन्य स्टाफ भी मौजूद रहे।

रिपोर्ट/फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप'